ईचाए n. oculus - ejecto म्र ante ए। identidem, iterum ac saepius. N.9.34. A. 10.54.

ऋभीट्स (ab ईट्स्, Desid. irr. rad. ऋात् adipisci - v. gr. 540. - praef. ऋभि s. उ) adipiscendi cupidus. N. 5. 2.

म्रभीषु m. (r. इत् ire, desiderare s. ठ) habena, frenum.

म्रान्यङ्ग m. (r. मृज्तु ungere s. म्र) unctio. Up. 50.

স্কান্যঘিক (ab স্লাঘি praef. স্লামি s. का) superior. N. 21.14. Br. 1.8. v. স্লাঘিক

म्रान्तर n. 1) intervallum, loci et temporis. Bh. 5.27. Hrr. 5.17. 2) pars interior, medium. Up. 49.

म्रभ्यर्चन n. (r. मर्च praef. म्रभि s. म्रन) cultus, veneratio. N. 12. 78.

म्रान्यर्थना f. (r. मर्थ s. मना, fem. ab मन) precatio, rogatio, petitio. SA. 4.27.

म्रभ्यवहार (r. ॡ afferre praef. म्रभि + म्रव s. म्र) cibus. म्रभ्यवहार्य n. (r. ॡ afferre praef. म्रभि + म्रव s. य) ci-

bus. Ur. 39.1. ऋभ्यसूयका m. (r. denom. ऋसूयू q. v. s. ऋका) exsecra-

ऋभ्याश्च m. v. seq.

tor. BH. 16.18.

म्रायास m. (r. म्रसू cl. 1. q. v. s. म्र) 1) propinquitas, vicinitas. N. 9. 10. Dr. 8. 13. 2) exercitatio, usus, experientia. Br. 12. 12. 18. 36. 3) educatio, disciplina, institutio. Hrr. 5. 14. 7. 4. Scribitur etiam म्रायाण. (Cf. म्रायस्त, म्रायस्त, म्रायस्य apud Wils. ed. 2.)

ऋभ्युत्थान n. (r. स्था praef. ऋभि + उत् ejecto स् - v. gr. 694. - s. ऋन) actio surgendi. BH. 4.7.

म्रान्युद्य m. (r. इ ire praef. म्राभि + उत् s. म्र) felicitas. Ur. 94.1. infr.

म्राभ्यपपति f. (r. पद् ire praef. म्राभि + उप s. ति) favor, benevolentia. SAK. 54.2. infr.

म्रभ्रं 1. ₽. (गत्याम्) ire.

সমূদ্র (ut mihi videtur, ex সূত্রন্য aquam gerens, ejecto আ et ম্ল (*), cf. সাম্ভ্রের et রলের) nubes (gr. ১μβρος, lat. imber inserta nasali, nisi haec pertinent ad म्राह्म coelum vel म्राम्स aqua; cf. etiam umbra).

1. म्रम् 1. म. (गतिभजनशब्देख) ire, colere, so-

2. त्रम 10. P. (राजे) aegrotum esse.

現中行 m. (ut videtur a r. 現中 ire s. 行 servato classis charactere 現) tempus (lith. amzis longum tempus; ad rad. 現中 etiam referri possit lat. an-nus - ita ut sit pro am-nus - et gr. ἔνος, ἔννος).

現れて (ex 現 priv. et れて moriens, in fine comp., a r. 및 mori s. 羽) 1) Adj. immortalis. HIT.3.5. 2) m. deus. Su.1.22.

न्नाम्यान (вли. e praec. et प्रभा f. splendor) immortalium splendorem habens. N. 13. 54.

म्रमारत्व n. (ab म्रमार s. त्व) immortalitas. Su. 1.22.23.

न्नमा f. (ab म्रमार). Nomen Indri sedis aut urbis.

अमरावती f. (Indri sede praedita, a praec. s. वत् in fem.). Nomen Indri urbis, sedis, palatii. In. 1.42.

अमरायम (BAH. ex अमर et उपमा f. similitudo) immortalium similitudinem habens. H. 2.27.

अमर्त्य (KARM. ex म्र priv. et मर्त्य) immortalis.

সমর্থ m. (клим. ex স্ল priv. et মর্থ patientia, tolerantia, a r. মৃত্ s. স্ল) ardor animi, ira, iracundia. Bu. 12.15. Up. 43.

अमर्ताण (клам. ex म्र priv. et मर्ताण patiens, tolerans, a r. मृत् cl. 10. s. म्रन्) iratus, iracundus, vehemens. Dr. 7. 17. N. 12.54.

म्रम्स m. (r. म्रम् ire s. म्रस्) tempus.

म्रामा Praep. cum. NALOD. 1.53.

अभात्य m. (a praec. s. त्य) qui est a consiliis, Wils. ua minister, a counsellor».

म्रानुष (KARM. ex म्र priv. et मानुष humanus) quod est supra hominem (übermenschlich). N.23.5.

規印用 m. (KARM. ex 現 priv. et 印 n. amicus) inimicus, hostis. N. 12.33.

म्रमी hi, illi, v. gr. 271.

邦氏司 Adv. (ab 邦氏 stirpe pronominis 現る氏 in casibus obl. - gr. 271. - s. 习) illic i.e. in illo, futuro mundo,

^(*) Confirmatam vidi hanc explicationem linguâ zendicâ, ubi âbërëta (acc. âbërëtârem), quod corruptum est ex abbërëta, significat qui aquam affert (gr. comp. 44.).